Subject – Hindi **Lesson – 6 अंधेर नगरी** **class – 6th**

Worksheet

2. अति लघु उत्तर लिखिए–

(क) नारायणदास कौन था? उसे महंत ने किस दिशा में भेजा?

(ख) नगरी का नाम सुनकर गोवर्धनदास ने क्या कविता बनाई?

(ग) अंत में फाँसी पर किसको चढ़ाया गया?

3. लघु उत्तर लिखिए–

(क) गोवर्धनदास को सिपाही क्यों पकड़कर ले गए थे?

(ख) गुरु जी ने अपने शिष्य को संकट की घड़ी से किस प्रकार बचाया?

4. दीर्घ उत्तर लिखिए–

(क) महंत जी अँधेर नगरी में एक मिनट भी क्यों नहीं रुके और गोवर्धनदास वहीं क्यों रह गया?

(ख) फ़रियादी की एक फ़रियाद से एक-एक करके कौन-कौन दरबार में पहुँचा? कारण सहित लिखिए।

पाठ से आगे

आज-कल

पहले के गुरु और शिष्य का संबंध आज के अध्यापक और विद्यार्थी के बीच संबंधों से किस प्रकार भिन्न है?

अनुमान और कल्पना

(क) यदि आप राजा होते तो फ़रियादी के लिए न्याय कैसे करते?

(ख) जिस देश का राजा इस पाठ के राजा जैसा होगा, उस देश का क्या हाल होगा?

भाषा ज्ञान — सर्वनाम, सर्वनाम के भेद, विलोम शब्द

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं; जैसे– मैं, हम, तुम, मेरा, तुम्हारा।
दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करके अलग लिखिए–

(क) तुम पश्चिम की ओर जाओ और नारायणदास पूर्व की ओर जाएगा। ....

(ख) उसे राजा के सामने पेश किया जाता है। ....

(ग) महाराज, मेरा दोष नहीं है। कारीगर ने दीवार बनाई थी। ....

(घ) इसकी दीवार गिर पड़ी और बकरी दब गई। ....

2. सर्वनाम संबंधी अशुद्धियों को शुद्ध करके वाक्यों को लिखिए–

(क) हम तो इस नगर में अब एक मिनट भी नहीं रहूँगा। ....

(ख) मशक इतनी बड़ी थी कि मैं पानी ज्यादा आ गया। ....

(ग) क्यों कोतवाल, आप ऐसी शानदार सवारी क्यों निकाली? ....

(घ) गुरु जी ने मैं नाहक यहाँ रहने को मना किया था। ....

3. सर्वनाम के छह भेद होते हैं– **पुरुषवाचक सर्वनाम** (मैं, तुम, वह, उसने), **निश्चयवाचक सर्वनाम** (यह, इसने), **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** (कोई, कुछ), **संबंधवाचक सर्वनाम** (उतना....जितना...., जो....वो....), **प्रश्नवाचक सर्वनाम** (क्या, कौन) और **निजवाचक सर्वनाम** (अपने आप, स्वयं)

o

दिए गए वाक्यों में रेखांकित सर्वनाम शब्दों के उचित भेद में ✓ निशान लगाइए–

(क)	क्यों भाई बनिए, आटे का <u>क्या</u> भाव है?	पुरुषवाचक सर्वनाम	☐	प्रश्नवाचक सर्वनाम	☐
(ख)	<u>उसे</u> दरबार में पेश करो।	निजवाचक सर्वनाम	☐	पुरुषवाचक सर्वनाम	☐
(ग)	क्यों बनिए, <u>इसकी</u> बकरी कैसे दबकर मर गई?	निश्चयवाचक सर्वनाम	☐	अनिश्चयवाचक सर्वनाम	☐
(घ)	<u>जो</u> बेकुसूर है <u>वो</u> फाँसी पर क्यों चढ़े?	संबंधवाचक सर्वनाम	☐	अनिश्चयवाचक सर्वनाम	☐
(ङ)	गुरु जी, आप <u>स्वयं</u> उन लोगों को समझाइए।	प्रश्नवाचक सर्वनाम	☐	निजवाचक सर्वनाम	☐

4. निम्नलिखित अनुच्छेद में से विलोम शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए–

एक महंत जी थे। वे बहुत **ज्ञानी** थे। वे **अज्ञानी** लोगों को ज्ञान का पाठ पढ़ाते। उन्हें तुच्छ लोगों से दूर रहकर महान बनने की प्रेरणा देते। हमेशा सत्य बोलो और असत्य बोलने वालों से दूर रहो। जटिल समस्या को सरल भाव से हल करो। आलसी नहीं उद्यमी बनो और भी कई अच्छे गुणों को अपनाकर लोगों के अवगुणों को दूर करो।

.....ज्ञानी-अज्ञानी.....

रचनात्मक अभिव्यक्ति

ये भी जानें

☞ हिंदी साहित्य में अनेक विधाएँ हैं; जैसे– कहानी, नाटक, उपन्यास, एकांकी, कविता, यात्रा वृत्तांत, निबंध, पत्र। इन विधाओं को दो तरह से विभाजित किया गया है–

(क) गद्य विधा तथा पद्य विधा (ख) दृश्य तथा श्रव्य

दृश्य में नाटक, एकांकी, प्रहसन आदि हैं। इनका मंचन किया जाता है। आपने अपने विद्यालय के मंच पर इन्हें ज़रूर देखा होगा। जब आप इन्हें देख रहे होते हैं तो आप **दर्शक** कहलाते हैं।

श्रव्य में कविताएँ, रेडियो, रूपक, गीत आदि जिन्हें आप सुनते हैं। यदि मंच पर कविता पाठ या गीत चल रहा हो, तो भी हम उन्हें सुन सकते हैं। रेडियो के प्रसारण भी आप सुन रहे होते हैं। अत: उस समय आप **श्रोता** कहलाते हैं।

परियोजना-निर्माण

☞ 'अँधेर नगरी' नाटक का मंचन कीजिए– प्रत्येक पात्र को उसकी भूमिका के अनुसार चुनिए। वह देखने में जैसा लगता है उसके अनुसार ही भूमिका दें। पात्र चयन के बाद संवादों को हाव-भाव के साथ रटने का काम करवाएँ। अब सब एक साथ मिलकर मंचन का अभ्यास कीजिए। अंतिम दो दिन वेश-भूषा (पात्र के अनुरूप) धारण करके अभ्यास कीजिए। फिर बाल सभा में प्रस्तुत कीजिए।

शोध

☞ दीवार कैसे बनाई जाती है? उसे बनाने के लिए किन-किन चीज़ों की ज़रूरत होती है? इन प्रश्नों के उत्तर देते हुए दीवार बनाने की पूरी प्रक्रिया पता करके लिखिए।

❑ पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) बड़ों की अनुभवी बातों को मान लेना चाहिए क्योंकि वे अपने अनुभ
के आधार पर ही हमें सही सीख देते हैं।

(ख) बच्चों को उनके तर्क और विचारों के आधार पर उत्तर देने के लि
प्रोत्साहित करें।

(ग) बच्चों को गुरु की महत्ता बताते हुए विषयानुसार उत्तर देने के लि
प्रोत्साहित करें; जैसे गुरु हमेशा चाहता है कि उसका शिष्य गलत मार्ग प
न जाएँ वह हमेशा सही मार्ग अपनाएँ। गुरु शिष्य का पथ-प्रदर्शक होत
है। इसीलिए लिए गुरु ने शिष्य की मदद की।

लिखित

1. किसने, किससे कहा? लिखिए–

किसने	किससे
(क) गोवर्धनदास ने हलवाई से	(ख) सिपाही ने गोवर्धनदास से
(ग) राजा ने महंत से	(घ) महंत ने राजा से

2. अति लघु उत्तर लिखिए–

(क) नारायणदास महंत का शिष्य था। उसे महंत ने पूर्व दिशा की ओर भेजा।

(ख) नगरी का नाम सुनकर गोवर्धनदास ने 'अँधेर नगरी, चौपट राजा, टके से
भाजी, टके सेर खाजा' कविता बनाई।

(ग) अंत में फाँसी पर राजा को चढ़ाया गया।

3. लघु उत्तर लिखिए–

(क) गोवर्धनदास को सिपाही इसलिए पकड़कर ले गए थे क्योंकि फाँसी का
फंदा थोड़ा बड़ा बन गया था। ऐसे में राजा के हुक्म के अनुसार किसी
मोटे आदमी को फाँसी दी जानी थी।

(ख) गुरु जी ने अपनी बुद्धि और सूझ-बूझ से अपने शिष्य को बचाया उन्होंने
राजा से कहा कि इस समय ऐसी शुभ घड़ी है जो मरेगा, सीधा स्वर्ग
जाएगा। यह सुनते ही राजा फाँसी पर स्वयं चढ़ गया।

4. दीर्घ उत्तर लिखिए–

(क) महंत जी अँधेर नगरी में एक मिनट भी इसलिए नहीं रुके क्योंकि जहाँ हर वस्तु की कीमत एक समान हो अर्थात जहाँ अच्छाई-बुराई में कुछ अंतर न हो, वहाँ रहना उचित नहीं है जबकि गोवर्धनदास लालच में आकर वहीं रुक गया कि यहाँ सब कुछ टके सेर मिलता है।

(ख) फ़रियादी की बकरी कल्लू की दीवार के नीचे दबकर मर गई। इसलिए कल्लू को बुलाया गया। कारीगर को बुलाया गया, इसने दीवार कच्ची बनाई थी। चूने वाले को बुलाया गया, इसने ख़राब चूना बनाया था। भिश्ती को बुलाया गया, इसने चूने में ज़्यादा पानी मिलाया था। कसाई को बुलाया गया, इसने मशक बड़ी बनाई थी। गड़रिए को बुलाया गया, इसने टके सेर में भेड़ दी थी। कोतवाल को बुलाया गया, इसकी सवारी आ रही थी। इस तरह फ़रियादी की एक फ़रियाद से एक-एक करके सभी दरबार में पहुँचे।

❑ पाठ से आगे (पाठ से आगे के प्रश्नों को अध्यापक/अध्यापिका इच्छानुसार लिखित या मौखिक रूप में करा सकते हैं।)

आज-कल

(क) बच्चों को गुरुकुल की शिक्षा के विषय में बताते हुए उन्हें उनके तर्क के आधार पर उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें। कुछ इस तरह–

पूर्व समय

1. गुरु व शिष्य में आत्मीयता अधिक हुआ करती थी।
2. शिष्य गुरु को भगवान से भी ऊपर दर्जा देते थे।

आधुनिक समय

1. आज के समय में आत्मीयता का अभाव।
2. इस समय शिक्षकों के सम्मान में थोड़ी कमी आई है।

अनुमान और कल्पना

(क) बच्चों को अपनी समझ के अनुसार उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

(ख) जिस देश का राजा नाटक के राजा जैसा होगा, वह देश कभी प्रगति नहीं कर सकता। उस देश में न्याय-अन्याय की परख नहीं हो सकती अर्थात देश का हाल बुरा ही होगा और वह देश पतन की ओर चला जाएगा।

❑ भाषा ज्ञान

1. (क) तुम (ख) उसे (ग) मेरा (घ) इसको

2. (क) मैं तो इस नगर में अब एक मिनट भी नहीं रहूँगा।
   (ख) मशक इतनी बड़ी थी कि उसमें पानी ज़्यादा आ गया।
   (ग) क्यों कोतवाल, आपने ऐसी शानदार सवारी क्यों निकाली?
   (घ) गुरु जी ने मुझे नाहक यहाँ रहने को मना किया था।

3. (क) प्रश्नवाचक सर्वनाम (ख) पुरुषवाचक सर्वनाम
   (ग) निश्चयवाचक सर्वनाम (घ) संबंधवाचक सर्वनाम
   (ङ) निजवाचक सर्वनाम

4. **ज्ञानी** – अज्ञानी **तुच्छ** – महान **सत्य** – असत्य
   जटिल – सरल **आलसी** – उद्यमी **गुणों** – अवगुणों

रचनात्मक अभिव्यक्ति

❑ परियोजना-निर्माण

- बच्चों को भूमिका अनुसार पात्रों का चुनाव करने और पात्र के अनुरूप वेश-भ धारणकर नाटक का मंचन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

❑ शोध

- बच्चों को दीवार बनाने की प्रक्रिया और उसके लिए ज़रूरी वस्तुओं के विष जानकारी प्राप्त करने और पूरी प्रक्रिया को क्रमबद्ध तरीके से लिखने के लि प्रोत्साहित करें तथा आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करें।

o